



भारत का राजस्मान् The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 97]
No. 97]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 27, 1986/चैत्र 6, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 27, 1986/CHAITRA 6, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

उद्योग मंत्रालय
(श्रीदोषिक विकास विभाग)
नई दिल्ली, 27 मार्च, 1986
आदेश

का. आ. 116 (अ)/18—ए०ए०/श्राई डी आर ए 86.—भारत सरकार
के उद्योग मंत्रालय (श्रीदोषिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ.
170 (अ)/18-ए, /श्राई डी. आर. ए/79, तारीख 30 मार्च, 1979
द्वारा (जिसे इसमें इसके पक्षात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स
महादेव टेक्सटाइल मिल्स, हुबली, कर्नाटक नामक समस्त श्रीदोषिक
उपकरण का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951
(1951 का 65) की धारा 18-कक के अधीन उक्त आदेश के राज-
पंच में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पाव वर्ष की अवधि
के लिए ग्रहण कर लिया गया था और कर्नाटक राज्य सरकार के
उक्त श्रीदोषिक उपकरण का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया
गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीदोषिक विकास विभाग) के
आदेश स. का. आ. 208 (अ)/18-ए/श्राई डी. आर. ए/84,
तारीख 27 मार्च, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 सितम्बर,

1984 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई
थी;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीदोषिक विकास विभाग)
के आदेश सं. का. आ. 740 (ब)/18-ए/श्राई डी आर ए/84,
तारीख 26 सितम्बर, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 मार्च,
1985 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी
गई थी ;

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मंत्रालय (श्रीदोषिक
विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 237 (अ)/18-ए/
श्राई. डी. आर. ए/85, तारीख 26 मार्च, 1985 द्वारा उक्त आदेश
की अवधि 29 सितम्बर, 1985 तक के लिए, जिसमें यह तारीख
भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी ;

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मंत्रालय (श्रीदोषिक
विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 690(अ)/18-ए/श्राई.डी.आर.
ए/85, तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 मार्च,
1986 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी ;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश को
अवधि को, 29 जून, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है,
तीन मास की अवधि के लिए बढ़ा दिया जाये ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की और अवधि के लिए प्रभावों बना रहेगा।

[फा. स. 3(2)/79 सी. पू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
New Delhi, the 27th March, 1986
ORDERS

S.O. 116 (E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. No. 170(E)|18AA|IDRA|79, dated the 30th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textile Mills, Hubli, Karnataka, was taken over under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication of the said Order in the Official Gazette, and the State Government of Karnataka, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 208(E)|18AA|IDRA|84, dated the 27th March, 1984, the period of the said order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1984;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 208(E)|18AA|IDRA|84, dated the 26th September, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th March, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E)|18AA|IDRA|85 dated the 26th March, 1985, the period of said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 690(E)|18AA|IDRA|85 dated the 25th September, 1985, the period of said Order was further extended upto and inclusive of the 29th March, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th June, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 29th June, 1986.

[File No. 3(2)|79-CUS]

का. आ. 117 (अ)|18-चब/आई डी आर. ए/86,—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीदीगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. 192(अ)|18-चब/आई.डी.आर.ए./79, तारीख 31 मार्च, 1979 द्वारा (जिसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कराया गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चब की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त ऐसी राशी सविवादाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, परिनिर्णयों, पंचायतों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न जो वैकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिसूत वायित्वों से संबंधित हैं), जिनका मैसेस महाटेव टैक्सटाइल मिल, हुवली, कर्नाटक नामक श्रीदीगिक उपकरण एक पक्षकार है या जो उक्त श्रीदीगिक उपकरण को लागू है, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निर्लिप्त रहेगा, और उक्त तारीख से पहले उक्तके अधीन प्रोद्भव या उद्दूत संघी बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निर्गमित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीदीगिक विकास विभाग) के आदेश ग. का. आ. 232 (अ)|18-चब/आई डी आर ए/80, तारीख 31 मार्च, 1980, का. का. 215 (3)|18चब/आई डी आर ए/81, तारीख 25 मार्च, 1981; का. का. 209 (अ), 18-चब/आई.डी.आर ए/82 तारीख 30 मार्च, 1982 का. का. 258(अ) 18-चब/आई.डी.आर.ए/83 तारीख 30 मार्च, 1983 का. का. 209(अ) 18-चब/आई.डी.आर.ए/84 तारीख 27 मार्च, 1984 का. का. सं. 741 (अ), 18-चब/आई.डी.आर.ए/84 तारीख 26 सितम्बर, 1984, उद्योग श्रीरंगपत्ती कार्पोरेशन मंत्रालय (श्रीदीगिक विकास विभाग) के का. का. सं. 238(अ)|18-चब/आई.डी.आर.ए/85, तारीख 26 मार्च, 1985 और का. का. सं. 691 (अ)|18-चब/आई.डी.आर.ए/85 तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, तारीख 29 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चब की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को 29 जून, 1986 तक और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 3(2)/79—सीयूएस]]

S.O. 117 (E)|18FB|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 192(E)|18FB|IDRA|79, dated the 31st March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers, conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textile Mills, Hubli, Karnataka is party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year

from such date and that all obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E)/18FB|IDRA|80 dated the 31st March, 1980, S.O. 215(E)|18FB|IDRA|81, dated the 25th March, 1981, S.O. 209(E)|18FB|IDRA|82, dated the 30th March, 1982, S.O. 258(E)|18FB|IDRA|83, dated the 30th March, 1983, S.O. 209(E)|18FB|IDRA|84, dated the 27th March, 1984, S.O. No. 741(E)|18FB|IDRA|84, dated the 26th September, 1984 and the Orders of the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.Q. 238(E)|18FB|IDRA|85, dated the 26th March, 1985 and S.O. 691(E)|18FB|IDRA|85, dated the 25th September, 1985, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 29th March, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 29th June, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with the sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 29th June, 1986.

[File No. 3(2)|79-CUS]

का. आ. 118 (अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./86.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शैक्षणिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 752(अ)/18कक/उ. वि.वि.अ. 77 तारीख 4 नवम्बर, 1977 द्वारा (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स मोना मुन्डरम सुपर स्पिनिंग मिल्स, मुथानेन्टल, रामानाथपुरम जिला, तमिलनाडु नामक सम्पूर्ण शैक्षणिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 4 नवम्बर, 1977 से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और तमिलनाडु वस्त्र निगम को उक्त सम्पूर्ण शैक्षणिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शैक्षणिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 778(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ. 82, तारीख 3 नवम्बर, 1982 सं. का. आ. 350(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ. 83, तारीख 2 मई, 1983 सं. का. आ. 697 (अ) 18कक/उ. वि. वि. अ. 83, तारीख 29 सितम्बर, 1983 का. आ. 225 (अ) 18कक/उ. वि. वि. अ. 84, तारीख 30 मार्च, 1984, का. आ. 746 (अ) 18कक/उ.वि.वि.अ. 84 तारीख 28 सितम्बर, 1984 का. आ. 272 (अ) 18कक/उ. वि. वि. अ. 85, तारीख 29 मार्च, 1985, का. आ. 492 (अ) 18कक/उ. वि. वि. अ./85, तारीख 27 जून, 1985 अंडर का. आ. 934(अ)/18कक/उ.वि.वि.अ./85, तारीख 31 दिसम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, 31 मार्च, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी।

और, केंद्रीय सरकार की यह राय है कि लोकडिन में यह समीक्षीय है कि उत्तर प्रदेश 30 जून, 1933 तक को, त्रिपुरा यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रो. श्रावण के दिन उत्तरी बाग रहे;

ii) ब्र, ईश्वर नरेन्द्र उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा अवृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त आदेश 30 जून, 1986 तक को, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. सं. 3(14)/77 मी. यू. एस.]

S.O. 118(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 752(E)|18AA|IDRA|77, dated the 4th November, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messers Somasundaram Super Spinning Mills, Muthanendal, Ramanathapuram District, Tamil Nadu, was taken over under clause (b) of sub-section (i) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 4th November, 1977 and the Tamil Nadu Textile Corporation was authorised to take over the management of the whole of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 778(E)|18AA|IDRA|82, dated the 3rd November, 1982, S.O. 350(E)|18AA|IDRA|83, dated the 2nd May, 1983, S.O. 697 (E)|18AA|IDRA|83, dated the 29th September, 1983, S.O. 225(E)|18AA|IDRA|84, dated the 30th March, 1984, S.O. 746(E)|18AA|IDRA|84, dated the 28th September, 1984, S.O. 272(E)|18AA|IDRA|85, dated the 29th March, 1985, S.O. 492(E)|18AA|IDRA|85 dated the 27th June, 1985 and S.O. 934(E)|18AA|IDRA|85, dated the 31st December, 1985, the period of the said order was extended upto and inclusive of the 31st March, 1986;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 30th June, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th June, 1986.

[File No. 3(14)|77-CUS]

का. आ. 119 (अ)/18कक/प्राई. डी. आर. ए./86.—केंद्रीय सरकार ने भारत सरकार के भवनवर्ष शैक्षणिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 134 (अ)/18कक/प्राई. डी. आर. ए./79, तारीख 13 मार्च, 1979, द्वारा यथा उत्तरांशित आदेश सं. का. आ. 529(अ)/18कक/प्राई. डी. आर. ए./74, तारीख 6 सितम्बर, 1974 द्वारा (f से इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) सचिव, बंद व्हाण उद्योग विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार को, (जिसे अब सचिव, शैक्षणिक प्रनिर्णय विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार कहा गया है) (f) से इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) मैरार्स इंडिया लिमिटेड: एड काटन मिल्स लिमिटेड, सीरमपुर पश्चिमी बंगाल का /जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त शैक्षणिक उपक्रम कहा गया है) तारीख 6 मित्तम्बर, 1974 से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था।

और केन्द्रीय सरकार की यह राय थी कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त अधिसूचित आदेश को उपयुक्त पांच वर्ष के समाप्त होने के बाद प्रभावी बना रहना चाहिए और उसमें 31 मार्च, 1986 तक की, जिसके अंतर्गत वह तारीख भी है, अतिरिक्त अवधि के लिए इसे जारी रखने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए थे, (देखिए भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग) :—

सं. का. आ. 512 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./79, तारीख 4 सितम्बर, 1979, सं. का. आ. 749 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 5 सितम्बर, 1980, सं. का. आ. 684 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./81, तारीख 4 सितम्बर, 1981, सं. का. आ. 125 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./82, तारीख 5 मार्च, 1982, सं. का. आ. 648 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./82, तारीख 4 सितम्बर, 1982, सं. का. आ. 158(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83, तारीख 4 मार्च, 1983, सं. का. आ. 386(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83, तारीख 31 मई, 1983, सं. का. आ. 937 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./83, तारीख 29 दिसम्बर, 1983 सं. का. आ. 470(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./84, तारीख 28 जून, 1984 सं. का. आ. 947(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./84, तारीख 1, दिसम्बर, 1984, तथा सं. का. आ. 257(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./85 तारीख 28 मार्च, 1985;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपकरण का प्रबंध उक्त प्राधिकृत व्यवित द्वारा 31 मार्च, 1987 तक की और अवधि के लिए रखा जाए;

ग्रन्ति, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की द्वारा 18-कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रबोग करते हुए, वह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1987 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, कि और अवधि के लिए प्रत्येक बना रहेगा।

[का. स. 2(14)/80-सो. यू. एस.]

ए.०पी. सरवन, संयक्त सचिव

S.O. 119(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 529(E)|18AA|IDRA|74, dated the 6th September, 1974 as modified by the Order No. S.O. 134(E)|18AA|IDRA|79, dated the 13th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised

the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messrs India Belting and Cotton Mills Limited, Serampore, West Bengal (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of five years from the 6th September, 1974;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1986 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) :—

S.O. 512(E)|18AA|IDRA|79, dated the 4th September 1979; S.O. 749(E)|18AA|IDRA|80, dated the 5th September, 1980, S.O. 684(E)|18AA|IDRA|81, dated the 4th September, 1981, S.O. 125(E)|18AA|IDRA|82, dated the 5th March, 1982, S.O. 648(E)|18AA|IDRA|82, dated the 4th September, 1982, S.O. 158(E)|18AA|IDRA|83, dated the 4th March, 1983, S.O. 386(E)|18AA|IDRA|83, dated the 31st May, 1983, S.O. 937(E)|18AA|IDRA|83, dated the 29th December, 1983, S.O. 470(E)|18AA|IDRA|84, dated the 28th June, 1984, S.O. 947(E)|18AA|IDRA|84, dated the 18th December, 1984 and S.O. 257(E)|18AA|IDRA|85, dated the 28th March, 1985;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period upto 31st March, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st March, 1987;

[File No. 2(14)|80-CUS]
A. P. SARWAN, Jt. Secy.